माता पिता

एच एस सी (HSC) के मूल्यांकन व प्रस्तुत किए गए कार्य

माता पिता के लिए परामर्श

एच एस सी (HSC)के विद्यार्थी के माता पिता होने के नाते, आप चाहते हैं कि आपका बच्चा अपने गुणों के आधार पर सफल हो ।

यह पुस्तिका एच एस सी (HSC)मूल्यांकन के दौरान आपके बच्चों को समर्थन देने के विचार प्रदान करती है । यह निम्नलिखित पर परामर्श देती है:

- आपका बच्चा कैसे मूल्यांकन कार्यों की तैयारी व प्रबंधन कर सकता है
- एच एस सी (HSC)मूल्यांकन में उनके अधिकार व दायित्व
- एच एस सी (HSC)के मूल्यांकन कार्यों व परीक्षाओं में अनाचार या बेईमानी रोकने के तरीके ।

यहां पर दिया जा रहा परामर्श सभी मूल्यांकन कार्यों व परीक्षाओं पर लागू होता है जिसमें परियोजनाऐं, प्रयोगात्मक कार्य, स्वतंत्र शोध कार्य व प्रदर्शन शामिल हैं ।

उन्हें अच्छी शुरूआत करने में सहायता करें

कक्षा 11 के प्रारंभ तक, आपके बच्चे ने संतोषजनक रूप से एच एस सी: ऑल माई ओन वर्क कार्यक्रम, या इसका समकक्ष अवश्य ही पूरा कर लिया होगा । यह कार्यक्रम जिसे आप बोर्ड की वेबसाईट पर देख सकते हैं, विद्यार्थियों को मूल्यांकन व परीक्षाओं में अच्छे सिद्धांत व नीतियों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है । जो विद्यार्थी केवल जीवन कौशल (Life Skills) पाठ्यक्रम ले रहे हैं उनके लिए इस कार्यक्रम से संबधित विशेष व्यवस्थाओं के बारे में अपने स्कूल के प्रिंसीपल से बात कीजिए ।

आपके बच्चे को *रूल्स एंड प्रोसीजर फार हायर स्कूल सर्टिफिकेट केन्डीडेट्स* नामक पुस्तिका **अवश्य पढ़नी** चाहिए जिसमें बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारी भी दी गई है । स्कूल विद्यार्थियों को इसकी एक प्रति देंगे और यह बोर्ड की वेबसाईट पर भी दी गई है । मूल्यांकन में ईमानदारी –मापदंड ('Honesty in Assessment – the Standard') इस पुस्तिका के पृष्ठ 7 पर प्रकाशित की गई है और यहां पृष्ठ 4 के ऊपर भी दिखाई गई है ।

जब आपका बच्चा किसी एच एस सी प्रविष्टि पुष्टि के फार्म (HSC Confirmation of Entry) पर हस्ताक्षर करता है तो वह "द बोर्ड आफ स्टडीज "को यह बताता है कि उसने रूल्स एंड प्रोसीजर पुस्तिका को पढ़, समझ लिया है और उसमें दिए गए नियमों का पालन करने के लिए सहमत है । यह आवश्यक है कि आप भी इन नियमों को समझें ।

यदि आपका बच्चा किसी ऐसे विषय में नामांकित है जिसमें परियोजना जमा करनी है या प्रयोगात्मक कार्य करना है जैसे कि डिजाईन एंड टैक्नोलोजी, म्यूजिक 2 या इंगलिश एक्सटेंशन 2, तो उन्हें यह भी प्रमाणित करना होगा कि जो कार्य वे बोर्ड को आंकने के लिए जमा करा रहे हैं वह उनका अपना है । उन्हें किसी ली गई सहायता का आभार मानना होगा । अध्यापक व प्रिंसीपल को भी यह कहना होगा कि क्या वे यह मानते हैं कि यह काम वास्तिवकता में इसी विद्यार्थी का है ।

एच एस सी में मूल्यांकन का उद्देश्य क्या है ?

आपके बच्चे के एच एस सी (HSC) के अंक दो भागों में हैं। आधे अंक "द बोर्ड आफ़ स्टडीज़ "द्वारा निर्धारित बाह्य परीक्षा से हैं। दूसरा भाग अंतिम परीक्षा तक होने वाले स्कूल द्वारा किए जाने वाले मूल्यांकन हैं।

एच एस सी में मूल्यांकन मुख्यतः

- विद्यार्थियों को उनके शिक्षण में सहायता देने के लिए है
- हर कोर्स में विद्यार्थी की उपलब्धि व प्रगति के बारे में जानकारी देने के लिए है
- इस बात का प्रमाण देने के लिए है कि विद्यार्थी ने संतोषजनक ढंग से कोर्स पूरा कर लिया है
- कोर्स के अंत में हर विद्यार्थी द्वारा प्राप्त किए गए मापदंड की रिपोर्ट देने के लिए है।

आपके बच्चे का अध्यापक एच एस सी (HSC) के अंतिम अंक निश्चित करने में मदद हेतु कई मूल्यांकन कार्य निर्धारित करेगा।

मैं अपने बच्चे को मूल्यांकन कार्यों हेतु तैयार करने के लिए कैसे सहायता कर सकता/सकती हूँ ?

"द बोर्ड आफ़ स्टडीज" आपको अपने बच्चे की शिक्षा में सक्रिय रूप से रूचि लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। आप उनके एच एस सी (HSC) के मूल्यांकन कार्यों में सहयोग दे सकते है, आप उन्हें प्रोत्साहित करें कि:

- वे नियत तिथियों से अवगत हों
- वे सभी मूल्यांकन गतिविधियों व अन्य प्रतिबद्धताओं की अद्यतन डायरी रखें
- अपने नियत कार्य जल्दी प्रारंभ करें ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनके पास सहायता मांगने का समय हो।
- अपने कार्यों को छोटे छोटे हिस्सों में बांटें और हर हिस्से के लिए अपनी अंतिम तिथि निर्धारित करें
- अपनी जानकारी के स्त्रोत मिलने पर उन्हें रिकार्ड करें ताकि अंत में आभार प्रदर्शन मुख्य काम न बन जाए
- बार बार अपने कम्प्यूटर पर किए गए काम को बचाएं और बैक–अप करें। काम देर से जमा कराने के लिए तकनीकी का असफ़ल होना सामान्यतः स्वीकार्य बहाना नहीं है।
- अपने सभी पूर्व मसौदों और संसाधनों की प्रतियां रखें
- आंकने हेतु दिए गए हर काम की एक प्रति रखें।

दीवार कैलेंडर, स्टडी प्लैनर या श्वेत पट,नियत तिथियों व अंतिम तिथि पर दृष्टि रखने में सहायक हो सकता है।

यह याद रखें कि यद्यपि आपका सहयोग महत्त्वपूर्ण है लेकिन आपको अपने बच्चे के स्कूल का कार्य नहीं करना चाहिए। अपना काम करने से आपके बच्चे के ज्ञान व एच एस सी (HSC) में उपलब्धि पाने की उनकी सर्वोपरि भावना, दोनों को ही लाभ होगा।

एच एस सी (HSC) में ईमानदारी क्यों जरूरी है ?

हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट एक बहुत सम्मानित व विस्तृत रूप से मान्यता **प्राप्त** योग्यता है। बहुत से विद्यार्थी **एच एस सी** (HSC) का प्रयोग रोजगार में जाने व अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त करने के लिए करते हैं।

एच एस सी (HSC)में धोखा देना बिल्कुल अस्वीकार्य है क्योंकि यह शिक्षा की निष्ठा को नीचा दिखाता है। यह विद्यार्थी की उपलब्धि को नष्ट करता है और अन्य विद्यार्थियों के लिए हानिकर है।

एच एस सी (HSC) मूल्यांकन में बेईमानी का अर्थ क्या है ?

बेईमानी या दुराचार विद्यार्थी द्वारा कपटी व्यवहार है जो उन्हें अनुचित लाभ देता है। इसमें निम्नलिखित शामिल है :

- किसी दूसरे के काम का कोई भी भाग नकल करना, खरीदना, चोरी करना या उधार लेना और उसे अपने काम की तरह प्रस्तुत करना
- किसी भी स्त्रोत से सीधी सामग्री प्रयोग करना– किताबें,पत्रिकाऐं, सी डी, डी वी डी या इंटरनेट से– बिना यह स्वीकरण किए कि वह कहां से आई है
- ऐसा काम जमा करवाना जिसमें किसी दूसरे व्यक्ति, जिसमें आप भी शामिल हैं ,या ट्यूटर, कोच या लेखक के योगदान को स्वीकारा न गया हो।
- किसी को अपने कार्य से संबंधित सामग्री लिखने या तैयार करने के लिए पैसे देना। इसमें प्रक्रिया की डायरी, लॉग या दैनिकी शामिल हैं।

विद्यार्थी बेईमानी क्यों करेगा ?

कुछ विद्यार्थी बेईमानी करते हैं जब उन्हें लगता है कि वे दबाव में हैं–शायद उन्होंने अपना समय सही ढंग से संगठित नहीं किया था और वे पाठ्यक्रम की शर्तों को पूरा करने के लिए सुगम रास्ता अपनाते हैं । यदि वे स्कूल में अवास्तविक लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं तो वे दबाव महसूस कर सकते हैं ।

कुछ लोग बेईमानी करते हैं क्योंकि वे जो कर रहे हैं उसकी गंभीरता नहीं समझते और स्वयं से कहते हैं कि कुछ फर्क नहीं पड़ता । अन्य विद्यार्थी असहज बेईमानी करते हैं क्योंकि वे साहित्यिक चोरी को नहीं समझते ।

कोई विद्यार्थी बेईमानी करता है तो क्या होता है ?

"द बोर्ड ऑफ़ स्टडीज "बेईमानी को बहुत गंभीरता से लेता है । यह एच एस सी की लिखित परीक्षा,प्रोजेक्ट या प्रयोगात्मक कार्य में धोखा देने वाले विद्यार्थियों को सजा देता है ।

जो विद्यार्थी बेईमानी करते हैं उन्हें निम्नलिखित में से एक या ज्यादा गंभीर परिणाम भुगतने होंगे :

- परीक्षा के किसी या सारे हिस्से में घटाए गए अंक
- परीक्षा के किसी या सारे हिस्से में शून्य अंक
- द बोर्ड आफ़ स्टडीज के 'अनाचार'पैनल के साथ साक्षात्कार
- एच एस सी (HSC)के अवार्ड में गिने जाने वाले एक या अधिक कोर्स का खोना
- टेफ़ (TAFE)या विश्वविद्यालय के कोर्सों या छात्रवृतियों में प्रवेश के लिए आवेदन देने की योग्यता को धक्का लगना ।

स्कूल में किए जाने वाले मूल्यांकन कार्यों में धोखा करने पर उससे स्कूल में ही निपटा जाता है । आपके बच्चे के अध्यापक और स्कूल के प्रिंसीपल को द बोर्ड आफ़ स्टडीज को यह प्रमाणित करना होता है कि आपके बच्चे का सारा काम विशेषकर गृह–कार्य उसी द्वारा किया गया है । उनके द्वारा ली जाने वाली किसी भी सहायता का स्वीकरण होना चाहिए । धोखा करने से उस कार्य में शून्य अंक भी मिल सकते हैं और यह उस कार्य पर निर्भर करता है कि शायद विद्यार्थी उस कोर्स को अपने एच एस सी अवार्ड में से खो ही दे । स्कूल प्रयोगात्मक कार्य या प्रोजेक्ट को बोर्ड आफ़ स्टडीज के पास भेजने से पहले 'वास्तविक कार्य' प्रमाणित करने से मना कर सकता है और अतिरिक्त अनुशासनिक कार्यवाही भी कर सकता है ।

यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि जो कोई बेईमानी करते हुए पकड़ा जाता है वह अपने सहपाठियों का विश्वास और अपना स्वाभिमान भी खो देता है ।

जब आपका बच्चा अपने नियत कार्य पर काम करता है तो आपका व अध्यापकों और मित्रों का सहयोग अत्यावश्यक है लेकिन उन्हें किसी से अपना काम नहीं करवाना चाहिए । याद रखें कि जब आपका बच्चा अपना काम स्वयं करता है तो वह न केवल सीखता है– बल्कि वे अपनी एच एस सी पूरा करने की उपलब्धि की सर्वोपरि भावना को भी बढ़ाते हैं ।

अनाचार को रोकना

आपको यह ज्ञात होना आवश्यक है कि आपके बच्चे का स्कूल विद्यार्थियों के गृह कार्य की प्रमाणिकता की बहुत तरीकों से रक्षा करता है जिसमें शामिल हैं:

- हर कार्य की अपेक्षाओं के बारे में उन्हें पूरी तरह से समझाना
- कार्य के उत्तर की योजना बनाने हेतु कक्षा में समय नियत करना
- उनसे प्रक्रिया डायरी या दैनिकी रखने की अपेक्षा करना ताकि वे दिखा सकें कि अपने उत्तर उन्होंने कैसे विकसित किए हैं
- जैसे जैसे काम बढ़ते जाते हैं उनसे अपेक्षा करना कि वे विवेचनात्मक समय पर अध्यापकों द्वारा समीक्षा हेतु कार्य जमा करवाऐं
- अपने नियत कार्य की अंतिम प्रति के साथ अपने मौलिक मसौदे जमा करवाने को कहना
- उनसे अपने काम की लघु प्रस्तुति करने को कहना या उससे संबंधित कुछ प्रश्नों का उत्तर देने को कहना
- उन्हें दिखाना कि अन्य लोगों के विचार व सहायता का स्वीकरण कैसे किया जाता है ।

एच एस सी (HSC) मूल्यांकन में ईमानदारी– मापदंड

यह मापदंड एच एस सी (HSC) मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों द्वारा अपना कार्य जमा करवाने से संबंधित द बोर्ड आफ़ स्टडीज न्यू साऊथ वेल्ज(NSW) की शर्तों को निर्धारित करता है। हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट के प्रत्याशी और उनके अध्यापक व अन्य व्यक्ति जो उनका मार्गदर्शन कर सकते हैं, उनसे इस मापदंड को मानने की अपेक्षा की जाती है।

मूल्यांकन कार्य, परीक्षाएँ और जमा करवाए गए कार्यों को पूरा करने में विद्यार्थियों व अध्यापकों और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने वाले अन्य व्यक्तियों की ईमानदारी, हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट की अखंडता को दृढ़ करती है। मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया में सर्वोत्तम दर्जे की ईमानदारी की आवश्यकता है।

प्रत्येक विद्यार्थी के अंक, केवल विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य की गुणवत्ता से निश्चित किए जाएंगे। ईमानदारी दिखाने के लिए विद्यार्थी के कार्य का अन्य व्यक्ति द्वारा लिखित, रचित या विकसित किये गये किसी भी भाग के लिए, बोर्ड के विषय–विशेष दस्तावेज़ीकरण के अनुसार आभार प्रकट किया जाना चाहिए। अन्य स्त्रोतों जैसे कि पुस्तकें, पत्रिकाएँ और इलैक्ट्रोनिक स्त्रोतों से ली गई सामग्री या उसका उपयोग जिनमें इंटरनेट भी शामिल हैं, की स्वीकृति की जानी चाहिए। सामान्य शिक्षण और अध्ययन के लिए औपचारिक स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।

मूल्यांकन प्रक्रिया में अनुचित लाभ उठाने के लिए कपट का मतलब बेईमानी करना है। किसी भी तरीके का दुराचार जिसमें साहित्यिक चोरी शामिल हैं, अस्वीकार्य है। द बोर्ड आफ़ स्टडीज़ NSW दुराचार के आरापों को बहुत गंभीरता से लेता है और दुराचार करते पकड़े जाने से विद्यार्थी के अंक कम हो सकते हैं और उनकी एचएस सी खतरे में पड़ सकती है।

यदि दुराचार का शक हो तो विद्यार्थियों से सारे अस्वीकृत कार्य को पूर्ण रूप से अपना दिखाने के लिए कहा जाएगा। दुराचारी के गंभीर व जानबूझ कर किए गए कार्य भ्रष्टाचारी के अर्न्तगत आते हैं और जहां उचित हो द बोर्ड आफ़ स्टडीज़ NSW इन मामलों को भ्रष्टाचार के विरूद्ध स्वतंत्र आयोग (Independent Commission Against Corruption) को रिपोर्ट करेगा।

एच एस सी (HSC) में आपके बच्चे के अधिकार व दायित्व

आपके बच्चे के निम्नलिखित अधिकार हैं :

- अपने स्कूल व "द बोर्ड ऑफ़ स्टडीज "की मूल्यांकन नीतियों की जानकारी दिया जाना
- हर मूल्यांकन कार्य की अपेक्षाओं के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन प्राप्त करना
- हर मूल्यांकन कार्य की देय तिथि के बारे में अग्रिम रूप से बताया जाना
- प्रतिपुष्टि(फीड बैक)प्राप्त करना जो उन्हें अपने कार्य पर पुर्नविचार करने में सहायक हो
- किसी भी व्यक्तिगत कार्य के अंकों के बारे में उस समय पूछताछ करना जब वह उन्हें लौटाया जाए
- अंतिम मूल्यांकन अंकों की गणना पर पुर्नविचार के लिए मांग करना यदि उन्हें विश्वास हो कि उनके अंक गलत हैं।

आपके बच्चे के निम्नलिखित दायित्व भी हैं :

- स्कूल द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की अपेक्षाओं और *रूल्स एंड प्रोसीजर फ़ार हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट केन्डीडेट्स* पुस्तिका में दिए नियमों से परिचित होना व उनका अनुसरण करना
- सभी निर्धारित कार्यों को समय पर पूरा करना या अगर वे अंतिम अवधि तक पूरा नहीं कर सकते तो अध्यापक से बात करना कि क्या किया जाए
- यह सुनिश्चित करते हुए कि सारा नियत कार्य उनका अपना है या उन्होंने अन्य लोगों का योगदान स्वीकार किया है,ऐसा कोई व्यवहार न करना जिसे दुराचार या बेईमानी माना जाए जिसमे साहित्यिक चोरी भी शामिल है
- कार्यों से संबंधित किसी भी परेशानी को उसी समय देखना जब उसके अंक लग रहे हैं या जब उसे लौटाया जा रहा है।

अतिरिक्त सहायता

अपने बच्चे के स्कूल से संपर्क करें यदि आपको उनकी मूल्यांकन नीतियों के बारे में कोई प्रश्न करने हैं। अधिकतर स्कूलों की वेबसाईट होती है जिसमें अक्सर स्टाफ से संपर्क करने की जानकारी दी होती है।

"द बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़" की वेबसाईट **www.boardofstudies.nsw.edu.au** पर *Rules and Procedures for Higher School Certificate Candidates, How your HSC works, HSC: All My Own Work* के लिए और पाठ्यक्रमों के विवरण, पुरानी परीक्षाएँ और एच एस सी (HSC) के बारे में और अधिक जानकारी के लिए देखें।

डिपार्टमेंट आफ़ एजूकेशन एंड ट्रेनिंग की वेबसाईट **www.det.nsw.edu.au** पर NSW के स्कूलों और शिक्षा नीति की उपयोगी जानकारी दी गई है।

साहित्यिक चोरी से कैसे बचा जाए और विद्यार्थी अपनी पढ़ाई कैसे करें इस बारे में परामर्श के बहुत से स्त्रोत ईंटरनेट पर हैं। विश्वविद्यालयों की वेबसाईट पर अक्सर अच्छी सामान्य सलाह होती है जो एच एस सी (HSC) पर भी लागू हो सकती है। एक अन्य अच्छा स्त्रोत है *HSC Online* वेबसाईट **www.hsc.csu.edu.au** जिसमे पढ़ाई के कौशल व साहित्यिक चोरी के बारे में विशेष परामर्श व लिंक हैं।